

असाधारण EXTRAORDINARY

> भाग III—इण्ड 1 PART III—Section 1

भाषिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं∘ 7] No. 7} **मई बिल्ली, बुधवार, मार्च 25, 1987/चेन्न 4, 190**9

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 25, 1987/CHAITRA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह जलग संकलन को रूप में रका का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेज-7

नई विस्ती, 9 मार्च, 1987

बायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26,9व(1) के मधीन सूचना

निर्वेण सं. आई. ए. सी. /एतयू. — 7/37 इब/6-87/2649 : — श्रातः मुझे श्री वी के मंगीला, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमुमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व्य के अधीन सक्षम मधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका ध्वात बाजार मूल्य 1,00,000/- ह. से अधिक है और जिसकी संख्या. . . . हैं तथा जो जी-18, प्लाट मं . 12, जिसा सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से बाजित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनयम

1961 की धारा 269 के ख के अधीन तारीख जून 1987 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्ति सम्मत्ति का उचित-बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पेन्द्रह प्रतिशत बाधिक हैं और अन्तरक (प्रन्तरको)और अन्तरिती (ग्रन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्न-निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) मस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रकारक का वाधित्व में कमी करने या उसने बचने में मुख्या के लिए और
- (ख.) ऐसी किसी आय या किमी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुनिधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269य की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्निसित क्यक्तियों सर्पात् :--

1. साफेत प्रोपट्रीस प्रा . लिमिटेड (ग्रन्सएक) डी-345, त्रिफेंस कालोनी, गई विरुत्ती।

क्यमोहम चई, मिर्सस स्त्रण काला, (भन्तरिसी) मवल के. वर्ड, और मिसेस मीनाशी घई, ई 195, ग्रेटर कलाण-1, नई दिल्ली।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्वत के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :

- (क) इस सूचना के राअपक्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपक्तियों में किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्त किसी अन्य श्यक्त कारा, मघोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में यथा-परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में विदा गया है।

## मनुसूची

शाप मं. जी-18, प्लाट मं . 12, जिला सेंटर जनकपुरी,

नई दिल्ली।

तारीच 9-3-1987

मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-VIINOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th March, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) |R-VII|37-EE|6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Shop No. G-18 at Plot No. 12 Dist. Centre, situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ray tax under the said Act in

respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhl.

  Transferor.
- (2) Sh. Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Sh. Naval K. Ghai and Mrs. Meenakshi Ghai E-195 Greater Kailash-I, New Delhi.

Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### **SCHEDULE**

Shop No. G-18 at plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri New Delhi-58.

Shop Area 130 sq. ft.

Dated: 9-3-1987

Seal.

निर्वेश सं. भाई. ए. सी./एनयू. --7/37 इह/6-86/2647 .---प्रमः मुझे श्री वी. के. मंगोवा भायकर भिक्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिक्तियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के भवीन सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से भिक्त है और जिसकी संख्या का. है तथा जो जी-5, प्लाट मं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी, विल्ली में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है) सक्षम अधिकारों के कार्यालय में भारतीय भायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क खं के अधीन तारीख जून 1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमांन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत्त भ्रधिक हैं और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रम्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से एक श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से एक श्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से एक श्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से एक श्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बायत भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के . दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या प्रान्य ज्ञास्तियों को, जिन्हें धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट पद्दी किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भनः अब उक्त मिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की खारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:~~

- थी/श्रीमिन/कुमारी: माकेत प्रोपटींस प्रा. लिमि., (भ्रन्तरक)
   श्री-345, किपेस कालोनी, मई दिल्ली।
- भी/श्रीमति/कुमारी: जगमोहन वह, मिसेम स्वर्ण कोता, (ध्रस्तरिशी)
  मचल के. धई मीनाक्षी घई
  ई-195, ग्रेटर कलाण-1, मई विश्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी अ्विनयों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्न में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय मे दिया गथा है। श्रम्भानी

भाप मं. जी-5, प्लाट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी, नई विल्ली-58

तारीखा: 9-3-87

मोहर:

Ref. No. I.AC. (Acq)|R-VII|37-EE|6-86.—Whereas I, V K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. G-5 at Plot No. 12, Dist. Centre, situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u/s. 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules, 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri/Smt./Km.: Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt. Km.: Jagmohan Ghai S/o Sh. Ram Saran Ghai, Mrs. Swaran Kanta w/o Sh. Jagmohan Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai W/o Sh. Naval K. Ghai, E-195 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### **SCHEDULE**

Shop No. G-5 at Plot No. 12, District Centre Janakpurl, New Delhi-58.

Shop Area 222 Sq. ft.

Dated: 9-3-1987

Seal.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्स्. -7/37इइ/6-86/2650. - पतः मुस्ने, श्री बी. के. संगीता, प्रायकर भिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीवित्यम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रीधीत सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 1,00,000/- रु. से श्रीधिक है और जिसकी संख्या ''हे तथा जो णाप मं. जी-19, प्लाट नं. 12, जिला सेंटर जनकपुरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269-कष्म के अधीन तारीख जून 1986 की पूर्वोत्तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित्त की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित-याजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपक्त के पन्नह प्रतिगत श्रीधिक हैं और अन्तरक (श्रन्तरकों) और (अन्तरिती) भन्तरित्यों के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधितियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भातः प्रश्नं उक्तं प्रश्नितियमं की धारा 269-गं के प्रनुसरण में, मैं उक्तं प्रधि-नियम की धारा 269भं की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोगः ---

- भी/श्रीमृति/कुमारी: साकेत प्रोपट्रीस प्रा. लिमिटेड (ग्रन्तरक)
   की-345, डिफेंस कालोमी,
   मई विस्ली।
- 2. श्री/श्रीमति/कुमारी: जगमोहन वर्ष, स्वर्णकांता, (श्रन्तरिती) मीमाझी वर्ष, नवल के, वर्ष र्ष-195, ग्रेटर कलाण-1, नर्ष विल्ली-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यकाही एक करता है।

उमत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माधीप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्कास्त्रकाशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गर्म्पात में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रत्**युची

शाप नं. जी-19, प्लाट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई विस्ली ।

तारीख: 9-3-1987

माहर :

Ref. No. LAC. (Acq)]R-VII]37-EE[6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair warket value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. Shop No. G-19 at Plet No. 12 Dist. Centre situated at Janakhuri, New Delhi-58 (and more fully described in it e Schedulo annexed hereto) has been transferred with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules, 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1932 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri/Smt./Km.: Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhi-24. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km.: Jagmohan Ghal, Swaran Kanta, Sh. Naval K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai E-195, Greater Kailash-I. New Delbi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

#### SCHEDULE

Shop No. G-19 at Plot No. 12 Dist, Centre, Janakpuri, New Delhi-58.

Shop Area 130 Sq. ft.

Dated: 9-3-1987

Seal.

निदश सं. ग्राई. ए. भी./एक्यू.-7/6-87/2559/37हइ:- ग्रन : मझे श्री की के मंगोबा श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ'समे इसके पश्चात 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क्ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका चिंतत बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से मधिक है और जिसकी संख्या ------है तथा जी पलैट नं, 406, नं. ८, जनकपुरी जिला केन्त्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपा-कक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षण प्रधिकारी के कार्यात्य में भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन जुन 1987 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम बुग्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वायस करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रश्तरक (भग्तरकों) और भन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से पुर्द किसी भाग को बाबत भागकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वागित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए;
- (अ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था नात र अधिनियम, 1961 (1981 का 43) या धनकर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, जिलाने में गुविधा के लिए,

भतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-सिक्ति व्यक्तियों; भर्यात:—

- भी/भीमती/शुमारी: अंसल प्रोपट्रीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा. लि. (ग्रन्तरक)
   115, अंसल मचन, के. जी. गांबी मार्ग, नई दिल्ली
- 2 भी/भीमती/कुमारी: एस भी एस इंचेस्टमेंटस (प्रस्तरिती) 1112,-ए, अंसल भवन, के जी गांधी मार्ग, नई विल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपति के प्रजंन के संबंध में कोई थी। ग्राक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 35 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविध जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त स्थिक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में पंकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थाधर संतिन में हितबद्ध किया प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहरताक्षरी के गाम लिखिन में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :- इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो ग्रायकर अधिनिशम 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित है, अही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

मन्युची

फ्लैट नं. 406, न. ८, जनकपूरी जिला केन्द्र मर्ड दिल्ली।

Ref. No. IAC. (Acq)|R-VII|37-FE|6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 406 in No. 8, Janakpuri Dist. Centre situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been regd. with the Competent Authority u|s 269 A B of the L. I. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in espect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. of the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said . Act. to the following persons, namely:

- (1) Shri[Smt.]Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. S. V. S. Investments, 1112-A, Ausal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

### **SCHEDULE**

Flat No. 406 in No. 8 Janakpuri Dist. Centre New Delhi.

Area 638 sq. ft.

Dated: 9-3-1987

निवेण सं. भाई. ए. सी. /एस्यू. +7/37इब्/6-86/2558 :+ भ्रात. मओं थी वी के मंगीला आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्वाल उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269 स्व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्परित असिका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-- ६. मे ऋषिक है और जिसकी संख्या क्लैंट नं. 403, नं: 8 है तथा जो जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ती से स्थित है (और इतने उसकद्ध अन-मूर्ती में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) सदाम प्रधिकारी के कार्यापय में भारतीय मायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269का के श्राप्ति तारीक्ष जन 1987 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वाक्ति संपत्ति का उचित-बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पल्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (बन्तरकां) और बन्तरिती (बन्तरितियो) के बीध ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्ताःण तिश्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण से सुई किसी माय की बावत मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के ब्रधीन कर देते के ब्रक्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिश के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितः द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, िधाने में मुविधा के लिए,

म्रतः म्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269⊸ग के म्रनुमरण में, मै उक्त म्रिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्न-निक्षित क्यक्तियों प्रथित :—

- श्री/श्रीमती/कुमारी अंतल प्रोपट्रीस एंड इंडस्ट्रीग प्रा. लि. . . (ऋन्तरक)
   115, अंसल भवन, के जी मार्ग, नई दिल्ली
- श्री/श्रीमती/कुमारी एस वी एस इंबेस्टमेंटस, 1112-ए, ... (प्रन्तरिती) अंसल भवभ, के जी मार्ग, नई दिल्सी।

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :

- (क) रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की प्रविध या तत्नुंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध जा भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) ध्रम सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्तबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति हारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पर्त्टाकरण:- इसमें प्रयुक्त णय्वो और पदों का, जो आयकर श्रविनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिवा गया है।

## धन्युची,

फ्लैट न. 103 व. 8, जनकपुरी जिला फेन्द्र, नई दिल्ली।

सारीख 9-3-1987

मोहर

Ref. No. I.AC. (Acq) R-VII 37-EE 6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri Dist, Centre, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri|Smt.|Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, KG Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./km. S. V. S. Investments, 1112-A Ansal Bhawan KG Marg. New Dolhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri, Dist. Centre New Delhi. Area 638 Sft.

Date: 9-3-1987.

निर्देश सं. ब्राई. ए. सी /एक्य.-7/37इ६/6-87/2560:- श्रतः मझे श्री को के मेंगोला भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विण्याम करने का कारण है कि म्थायर संपत्ति, जिसका उजिन बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से श्राधक है और जिसकी सक्या पर्लैट नं. 515, है तथा जो न. 8 जनकपूरी जिला केन्द्र, तर्व दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायक्ष सन्-मुखी में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख जन 1987 को पूर्वोक्न संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम कृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त गर्पान का उचिन-बाजार मृत्य, उसके दृष्यमात प्रतिफल से. ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरितो (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उना धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) घरतरण से हुई किसी भाष को दावत आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीत का डेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बन्ने में मुखिशा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी हारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छि । ते में मुनिधां के लिए,

भतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रभुमरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269 भ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत:--

- 1. श्री/श्रीमती/तुमारी अंसल प्रोपद्रीस एंड इंडम्ट्रीस प्रा. लि... (श्रामारक) 115, अंसल भवन, के जी मार्ग, नहीं दिल्ली।
- 2. श्री/श्रीमती/कुमारी एस वी एत इंबेस्टमेटस, 112-ए,.. (अन्तरिती) अंसल भवन, के जी मार्ग, नई हिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिएकार्ववाही शुरू करता हूं।

उथत संपत्ति के भर्जन के संबंध में शोई भी प्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र जा भी बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकानन की तारीख़ से 45 दिन के भीशर उदन स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहरनाक्षरी के पास लिखिल में किए जासकेसें।

स्पटीकरण :-- इसमें प्रयुक्त णक्यों और पद्यों का, जो मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के घट्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो जस प्रध्याय में दिया गया है।

# श्रन्मूची,

पर्लंड नं. 515, मं. 8, जनकपुरी जिला केन्द्र, नर्द दिरुवी । वारीष 9-3-1987

मोहर

Ref. No. I.AC. (Acq) [R-VII]37-EE]6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 403 in No. 8 Janakpuri Dist. Centre, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Alt, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as angreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri|Smt.|Km. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, KG Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. S. V. S. Investments, 1112-A Ansal Bhawan KG Marg. New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

## SCHEDULE

Flat No. 515, at No. 8, Janakpurl District Centre New Delhi Area 609 Sft.

Date: 9-3-1987.

Scal-

निर्देश सं. ब्राई.ए. सी./एक्य.-7/37 इड/6/37-2652 :--ब्रम: म्जे भी बी.के. मंगीवा प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस धम में इसके पश्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के धर्मात सक्षम अधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि रपायर सम्पत्ति, जिनका एचिन बाजार मूच्य 1.00,000 है. से अधिक **है श्रीर** जिनती संख्या =-----है तथा जो जी-22, प्लादनं. 12 जिला कोन्द्र जनकपुरी, नई किल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुमुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय भाषकर मधिनियम 1961 की धारा 269कव के प्रधीन तःरीख जून 1987 को पुर्ववित सम्पन्ति के उचित बाआर मूल्य से यहम दृष्यमान प्रतिकाल के लिये बस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीकिन सम्पत्ति का उचित-बाजार मुख्य उनके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरितों (श्रन्तरितियों) के र्वात्त ऐसे प्रन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से फप्पित नहीं किया गया **है** :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की धाबत ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के निये,

धतः प्रज उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुगरण में, मैं उनन प्रधिनियम की धारा 269थ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्निजिल्ल व्यक्तियों, प्रथीत् :--

- श्री/श्रीमिति/कुमारी माकेत प्रोपदीस प्रा लि., डी-345, डिकेंग कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री/श्रीमती/कुमारी गुगमीहन घर्ड, स्वर्णकान्ता, नवल के. घर्ड, मीनाक्षी घर्ड ई-195, गेंटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (धन्तिंग्ती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिये कारिवाई गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (छ) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर मधितियम 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में यथा-परिकापित है, वही क्रयें होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### भ्रनुसची-

जी-22, ध्लाट में. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिस्ली। सारीख 9-3-1987

मोहर :

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37/EE|6-87-2652.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Shop No. G-22 at plot No. 12 Dist, Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(8) and transferee(6) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri/Smt./Km, Saket Properties Pvt. Ltd. D-345, Defence Colony, New Delhl. (Transferor)
- (2) Shri|Sınt.|Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Shri Naval. K. Ghal & Mrs. Meenakshi Ghai. E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

## SCHEDULE

Shop No. G-22 at plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi, Area 185 Sq. ft.

Date: 9-3-1987.

Scal

निर्वेश सं. ब्रार्ड. ए.सी. /एक्यू.-7/37इइ/6-87/2648 :--प्रतः
मुझे श्री वी.के. मंगोला जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'जनत अधिनियम' कहा गमा है) की धारा
269ंख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संस्पारि, जिसका जिलत बाजार मूल्य 1,00,000 ह.
से प्रधिक है और जिसकी संख्या हिन्त बाजार मूल्य 1,00,000 ह.
जिला जनकपुरी केन्द्र, नई विल्ली में स्थित है (ब्रौर इससे छ्याबद्ध
प्रमुख्यों में पूर्ण इस से विल्ली है), भारतीय सक्षम प्रधिकारी के
कार्यालय में भारतीय प्रापकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269कला
के प्रधीन सारीख जून 1987 को गुर्वोक्त सम्मणि के उचित बाजारे

मूल्य से कम दृष्यमान प्रतिकल के लिये प्रान्तित की गई है भीर भूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत समात्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, प्रेमे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिथात प्रथिक है और प्रान्तरक (प्रान्तरको) और प्रान्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्नरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्तिवित्ति उद्देश्य से उस्त ग्रान्तरण लिखान में बास्तविक स्था से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिंग्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया आना चाहिये था, छिताने में स्विधा के निर्ण.

श्रा. थवं उक्त श्रिशितियमं की धारा 269-ग के प्रतुगरण में, मैं उक्त श्रिशित्मा की धारा 269वं की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्न-लिगिम व्यक्तियों, प्रथीन :---

- भी/र्थामनी/कुमारी, साकेन प्रोपरीज प्रा.लि., डी-345, डिफॅस कालोनी, गई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री/श्रीमती/कृमारी जनमीहन घई, मिनैस स्वर्ण घई, नवल के. घई, मीनाश्री घई, पत्रा—-195, ग्रेटर कैनाण-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती) की यह मृजना जारी करके पूर्वीका सम्यक्ति के अर्थन के लिये कार्यवाही शुक्र कारता हूं।

उक्त गम्यसि के प्रर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तक्षेत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रधि बाद मे समाप्त हीती हो, के भीतर पृत्रंकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस नूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो ग्रामकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में मथा-परिधाधित है, वही प्रयं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## श्रनुमुची

णाप नं. जी-6, प्लाट नं. 12, जिल्हा केन्द्र जनकपुरी, 'सई दिस्ली। तारीखाः 9-3-87 मोहर

Ref. No. I.AC. (Acq)|R-VII|37-EE|6-86...Whoreas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Shop No. G-6 at plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rafe 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Smt. Km. Saket Properties Pvt. Ltd. D-345 Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Smt Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Kanta, Shri Naval, K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai. E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

### SCHEDULE

Shop No. G-6 at Plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri, New Delhi, Shop Area 222 Sq. ft.

Dated: 9-3-1987.

Seal

निर्देश सं. ग्राइ.ए.सी./एस्यू.-7/37इइ/6/86:--ग्रतः मुझे श्री वी. के. मंगीता ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 ह. से अधिक है और जिसकी संख्या---है तथा जो शाप नं. जी-21, प्लाट नं. 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय मायकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख जन 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकत के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: श्रीर

'ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

ातः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

1. श्री/श्रीमती/कुमारी जगमोहन घई, श्रीमती सवर्ण काता, श्री नवल कें घई ग्रौर मिसेज मीनाक्षी ई-195, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

2. श्री/श्रीमती/कूमारी साकेत प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड डी 345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ता-शरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है. वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## स्रन्सूची

शाप नं० 21, प्लाट नं 21, जिला सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली । क्षेत्र 185 वर्ग फीट।

तारीख 9-3-87

मोहर

बी ०के० मंगोता. सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

Ref. No. 1.AC. (Acq) R-VII 37-EE 6-86.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 34 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Shop No. G-21 at plot No. 12 Dist. Centre situated at Janakpuri, New Delhi-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri/Smt./Km. Saket Properties Pvt. Ltd. D-345 Kanta, Shri Naval. K. Ghai & Mrs. Meenakshi Ghai. E-195 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)
- (2) Shri/Smt./Km. Shri Jagmohan Ghai, Mrs. Swarn Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

### SCHEDULE.

Shop No. 21 at plot No. 12 Dist. Centre Janakpuri, New Delhi 58, Area 185 sq. ft.

Dated: 9-3-1987.

Seal

V. K. MANGOTRA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range VII